

भजो रे मन सेंसे-चरण हितकारी
जपो रे मन ॥२॥ सेंसे-चरण हितकारी

मेरी मैया आई ॥२॥ हो के सिंग-सवारी
हो के सिंग सवारी sss सवारी-हो के सिंग सवारी

भजो रे मन....

कंचन थार-कलश लयें ढाड़ें-दूरे आई मैया
हम दुखियों के दुख जे हरहें, पार लगेहें नैया

भजो रे मन....

पहुँनी बन के आती मैया-साल में है-है मासी
चरण लुम्हारे भूलन पाये-दुनियाँ लुमरी दासी

भजो रे मन....

आज "श्री बाबा श्री" ये आन बनी है-मैया दौड़ बचाओ
दोड़ दई है-दुनियाँ सारी-शरण लुम्हारी उपाओ

भजो रे मन.....